

FORM NO. III (प्रारूप संख्या-3)

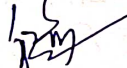
फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत आरि जिला कलक्टर मुकाम नीमकाधाना

दलील खान बनाम नायक तट्टीलडा

किस्म मुकदमा कपील नम्बर 24 वर्ष 2022

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
2014/22	<p>रिपोर्ट करिखा होकर कपील कपीलान्ट पेश हुई। वकील कपीलान्ट उप० कपील कपीलान्ट दर्ज रजिस्टर डि जाकर नोटिस बनाम रेख्यो जारी होकर पनावली दिनांक 25/5/22 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  (अनिल कुमार) जज जिला कलक्टर एवं जज जिला मजिस्ट्रेट नीमकाधाना (सी.ए.) </p> <p>25/5/22 पनावली पेश हुई। वकील कपीलान्ट उप० रेख्यो डि और से रीटर नायक तट्टीलडा व नीमकाधाना उप०। जखल वकील कपीलान्ट दुमी गई। औराने कखल वकील कपीलान्ट ने खलाया डि कपील डारा भूमि रकम तं० 2774 रुका 1.48 हे में से 0.03 हे भूमि पर ममान निर्वाण कर कतिवरी मानते हुए बैदावली का आदेश पारित किया गया है। कपीलान्ट डारा भूमि रकम 2774 रुका 1.48 हे में से 0.03 हे पर ममान का डा बनाकर कतिडमण नही किया गया। परवपी हला डारा कपी रिपोर्ट में कतिडमण डि गई भूमि का नाप भी नही लिखा है। कपीलान्ट डारा अधिनस्थ न्यायालय में जो जबाब व दस्तावेज पेश किये उनका निर्वाण में कोई उल्लेख नही किया गया। इस उकार जो निर्वाण पारित किया गया है जो न्यायिक सिद्धान्तों के विपरीत होने के कारण पारित आदेश निरव्वनीप है।</p>	



(अनिल कुमार)
 जज जिला कलक्टर
 एवं जज जिला मजिस्ट्रेट
 नीमकाधाना (सी.ए.)

(नायक तट्टीलडा)
 जज जिला कलक्टर
 एवं जज जिला मजिस्ट्रेट
 नीमकाधाना (सी.ए.)

इपीलान्ट जय कोर्ड नया निर्माण नदी सिंचा
 गया है। जो निर्माण है वो लगभग 60-70 वर्ष
 पुराना है। गुप्त पंचायत के गहन ले प्रब का
 निर्माण है। विद्युत कनेक्शन भी ले रखा है।
 वहाँ चारो ओर झाड़ी बसी हुई है। वर्ष
 2022 में संशोधन विधेयक 23-3-2022 में
 राजस्थान विधान सभा में पारित किया गया
 है। जिसमें यह भी स्पष्ट किया है कि नदी नाली
 व चानी के बहाव क्षेत्र व मन्दिर भाषी की
 जमीन को छोड़कर अन्य बसी हुई कालोनी व
 झाड़ी से 31-12-2021 तक विकसित हो चुकी
 कालोनीयो के पट्टे दिये जा सकेंगे। उपरि कोर्ड
 की तीन जगो की अंच ने लिमिटेशन एक्ट
 1963 के अन्वर्ति व्याख्या की है कि निजी -
 अचल सम्पत्ति पर लिमिटेशन परिसीमा की
 वैधानिक अवधि 12 साल है। जबकि वस्ती -
 अचल सम्पत्ति के मामले में 30 वर्ष है। चारागाह
 श्रमि से कडीम ले जो मरान बनाये हुए है
 जिनका 28-1-2011 के निर्णय के मोडरा अनुसार
 चारागाह में बले स्थितयो के पट्टे बनाने -
 सम्बंधित राज सरकार व राज्य मण्डल डेजभेर
 की गाइड लाइन के अनुसार चारागाह में
 बसी झाड़ी क्षेत्र के कावालीप मरानो को
 वहाँ से नही हटाकर वहाँ के पट्टे जारी किये
 जावेंगे। इस प्रकार अधिनलय न्यायालय द्वारा
 पारित आदेश दिनांक 21-3-2022 को अपाल्त
 फरमाया जावे।

रेकॉर्ड द्वारा इपील ले सम्बंधित
 मूल पत्रावली पेश कि गई जो शामिल पत्रावली
 की गई। वकील इपीलान्ट कि बहल पर
 मनन किया गया। पत्रावली व पत्रावली में
 उपलब्ध रिबार्ड व अधिनलय न्यायालय की
 पत्रावली का अवलोकन किया गया। अधिनलय
 न्यायालय की पत्रावली के अवलोकन ले पाया
 गया कि पत्रावली हल्का बोडा द्वारा जो धारा 91
 L.R. Act कि रिपोर्ट पेश की गई जिसमे श्रमि
 रकम नं 2174 रकम 1.48 हे. डिहम चारागाह
 में इपीलान्ट द्वारा 0.03 हे. पर कनिक्शन करना
 अताफ है।




(अनिल कुमार)
 सिविल जिला कलक्टर
 जयपुर जिला न्यायालय
 मकाथाना (सीकर)

अज अदालत.....मुकाम.....

.....बनाम.....

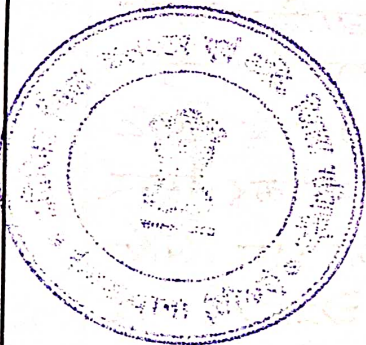
किस्म मुकदमा.....नम्बर 24.....वर्ष 22.....

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>अपीलान्ट द्वारा अधिनस्थ न्यायालय में नोस्टिस का जवाब व दस्तावेज पेश किये जो पत्रावली में शामिल हैं परन्तु अधिनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय में इनका स्पष्ट उल्लेख नहीं किया है। रिपोर्ट जो पय्वारी हल्मा द्वारा पेश कि गई उसके अवलोकन से यह बात स्पष्ट है कि रिपोर्ट के पिछे जो नजदी नमूना बनाया है उसमें माप नहीं लिख रखा है। एवं ना ही अतिरिक्त कहा व कितने रकबे पर कर रखा है वो भी नजदी नमूना में नहीं है तथा ना ही चारो तरफ का नाप कंठित कर रखा है। इस प्रकार अपील अपीलान्ट ने जो तथ्य अपील में कंठित किये हैं वो साबित होते हैं। इससे यह भी प्रतीत होता है कि पय्वारी हल्मा द्वारा जो धारा 91 कि रिपोर्ट पेश कि गई है जो मॉके पर जाकर तैयार नहीं कि गई है। पय्वारी हल्मा द्वारा रिपोर्ट वास्तविक तथ्यो के विपरीत पेश कि गई है। जिसमे अतिरिक्त रकबे की दिशाओं का नाप जोरव भी नहीं लिखा गया है। इस प्रकार अधिनस्थ न्यायालय द्वारा दिनांक 21-3-2022 को जसे निर्णय पारित किया गया है पूर्व दस्तावेज तथ्यो की जांच किये बिना ही किया गया है। जो न्याय के सिद्धान्तो के विपरीत है। इस प्रकार अपीलान्ट द्वारा अपील में जो तथ्य कंठित किये हैं इनकी पुष्टि होती है।</p>	


 (अनिल कुमार)
 अतिरिक्त जिजा कलम
 एवं अति. जिजा कलम
 नैनकाथाना (सीकर)

तथा उद्भूत झपील को खत्म मिलना है।
इस आधार पर झपील झपीलान्ट वाकित
होने के कारण दबीकार किया जाना उचित
प्रतीत होता है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार
पर झपील झपीलान्ट वाकित होने से
दबीकार की जाती है। तथा अधिनियम
न्यायालय डाय पारित आदेश दिनांक
21-3-22 अपास्त किया जाता है एवं
झपील झपीलान्ट न्यायालय तहसीलदार
नीमकाथाना को इस आदेश के साथ
रिमाण्ड की जाती है कि अतिरिक्त रकम
की माँके पर जाकर रिपोर्ट माँका फर्द मय
नजरी नमशा जिसमें चारों दिशाओं का
सही नाप जोरव लिखा जाकर झपीलान्ट
को सुनवाई हेतु उचित अवसर एवं उद्भूत
दस्तावेज का अवलोकन कर शु०॥ अ००००
के आधार पर पुनः निर्णय पारित करें
पालना हेतु तहसीलदार नीमकाथाना को
वहरीर जारी हों। पत्रावली फ़ैलड शुमार
होकर नम्बर से कम होकर डाकघर दफ्तर है



(अनिल कुमार)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट
नीमकाथाना (सीकर)